ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-10-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-10-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-10-02	2024-10-03	2024-10-04	2024-10-05	2024-10-06
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	38.0	37.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	46	55	64	59	53
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	23	27	25	24
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	25	25	22	16	11
पवन दिशा (डिग्री)	237	221	213	213	231
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना ।

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में मौसम साफ और शुष्क रहने की सम्भावना है। किसान भाई अच्छी गुणवता के लिये बाजरा, मूँग तथा तिल की फसल को अच्छी तरह धुप में सुखाने के बाद ही थ्रेसिंग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

दिन के तापमान को देखते हुए नए लगाए गए फलों के पौधों और सब्जियों के खेतों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
ग्वारफली	ग्वार की फसल पकाव अवस्था पर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करे।
मूँगफली	मूंगफली की फसल पकाव अवस्था पर है इसलिए जमीन खोदकर देख ले कि फलिया पक गई है या नहीं। अगर 80 प्रतिशत फलियां पक गई हो तो मूंगफली की खुदाई करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों/राया की बुवाई का उपयुक्त समय सिंचित क्षेत्रों में 01 से 25 अक्टूबर तथा असिंचित क्षेत्रों में 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर है अतः सरसों/राया की बुवाई हेतु खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। उन्नत किस्मों जैसे आर.एच -30, बायो-902, आशीर्वाद, सी.एच 54, डी.आर.एम.आर.आई.जे 31 (गिरिरीज), पुसा सरसों 26, पुसा सरसों 27, वाई.एस.एच 0401 (पीली सरसों) एंव आर.जी.एन.145 की व्यवस्था करें।
चना	चने की बुवाई का उपयुक्त समय असिंचित क्षेत्रों में अक्टूबर माह का प्रथम सप्ताह तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 से 25 अक्टूबर है अतः चने की बुवाई हेतु खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। उन्नत किस्मों जैसे सी. 235, आर.एस.जी. 44, जी.एन.जी. 663 वरदान, जी.एन.जी. 2144 तीज, जी.एन.जी. 2171 मीरा, जी.एन.जी. 1488 संगम एंव आर.एस.जी. 896 की व्यवस्था करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	खरीफ फसलों की कटाई के बाद खाली खेत में 8-10 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर में डालें जो मृदा के भौतिक व जैविक गुणों को बडाती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बडती है।